वर्ष : 8 • अंक : 29 • जुलाई-सितम्बर 2021 • ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

(International Peer Reviewed Refereed Journal of Multidisciplinary Research)

(A Scholarly Peer Reviewed Journal)

विशेष सूचना :

विचार की प्रतिबद्धता में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

रूपेश कुमार चौहान
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।
दूरभाष संख्या-09555222747, 9267944100, 9555666907
Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vsirj.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* प्रत्येक अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध रहता है।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**

*** शोध-पत्र हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति (Peer Reviewed Committee) के द्वारा द्वि-स्तरीय समीक्षित होकर प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **डॉ. एम.एस. चौहान**
(निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान, करनाल, हरियाणा)
- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
(पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **प्रो. मदन मोहन अग्रवाल**
(पूर्व कला संकाय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
(पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. गिरीश चन्द्र पंत**
(अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **प्रो. रामनाथ झा**
(संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
(पूर्व प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
(प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
(हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
(अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
(पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. कमला उपाध्याय**
(विभागाध्यक्षा, संस्कृत, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रसाल सिंह**
(प्रोफेसर, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
(अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **प्रो. राजेश रंजन**
(पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
(इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
(राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. मनीष सिन्हा**
(अध्यक्ष, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. एम. रहमतुल्लाह**
(कंसल्टिंग एडिटर, दूरदर्शन न्यूज, भारत सरकार)

Editor
Dr. Rupesh Kumar Chauhan
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
M.A. (History)
Mob : 9555222747, 9540468787,
9267944100

Executive Editior
Dr. Pramod Kumar Singh
M.A., Ph.D. (Sanskrit), M.A. (Philosophy)
Gold Medalist
Assistant Professor,
Department of Sanskrit, Maitreyi College,
University of Delhi
Mob : 9717189242

Sub.- Editor
Dr. Rajesh Kumar
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
Asst. Prof., Department of Sanskrit
PGDAV College, University of Delhi
Mob. 9555666907, 9891526584

Co- Editor
Abhishek Priyadarshi
M.A., Ph.D. (History),
Asst. Prof., History Department
Satyawati College, University of Delhi
Mob. 9971656921

Legal Advisor :
Arun Kumar Shukla
LL.B., LL.M., D.U.
Mob. : 7011474039, 9650088311

Managing Editor
Thakur Prasad Chaubey
Mob. : 9810636082

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9267944100

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya-*823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• Mrs Kirthee Devi Ramjatton
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Correspondence Address :
B-11/39, MIG Flats, Near DDA Market,
Sector 18, Rohini, Delhi-110089
Mob : 9555222747
www.vsirj.com

Designer :
Kawal Malik, J.D. Computers
Mob. : 9818455819

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. वी.के. यादव**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. दिलीप कुमार झा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. जितेन्द्र कुमार**
(असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, अनुग्रह नारायण स्मारक महाविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय)
- **डॉ. देवेन्द्र नाथ ओझा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, एमिटी इंस्टीट्यूट फॉर संस्कृत स्टडीज, एण्ड रिसर्च, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, नोएडा)
- **डॉ. राजमोहिनी सागर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. वी.के. तोमर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **डॉ. के.के. झा**
(सीनियर लेक्चरर, हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस)
- **डॉ. सुधीर कुमार सिंह**
(राजनीति विभाग, दयाल सिंह कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. सुभाष कुमार सिंह**
(संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चन्द्रशेखर राम**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. नन्दिनी सहाय**
(समाज-शास्त्र, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)

संरक्षक :

प्रो. मदन मोहन अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष,
संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. दलवीर सिंह चौहान
पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग,
मगध विश्वविद्यालय, बोध गया, बिहार

प्रो. राजवीर शर्मा
पूर्व उपाचार्य, राजनीति शास्त्र विभाग,
आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

Kawal Malik

Mob. 9818455819

J.D. Computers

All Types of Hindi, English, Sanskrit Typing,
Job Work and Printing

2157, Outram Line, Near Canara Bank,
Kingsway Camp, G.T.B. Nagar, Delhi-110009
Email : malikkawal@gmail.com

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय ..... *viii*

कृष्णा सोबती द्वारा रचित 'ऐ लड़की' उपन्यास में स्त्री का आत्मालाप 1
अनिल कुमार

रामविलास शर्मा के निराला : संदर्भ 'नये संघर्ष' 5
डॉ. ज्ञान प्रकाश

कवि निशंक के काव्य में प्रकृति 9
डॉ. मुन्नी चौधरी

प्रगतिशील चेतना का स्वरूप एवं हिन्दी नाटक 15
रूब्बी कुमारी

दोस्तनुमा दुश्मनी : सेंट्रल एशिया पर अमेरिकन नीति 18
डॉ. लालजी

'प्रतिक्रिया' निबंध की महत्ता एवं अनिवार्यता 21
डॉ. भवानी दास

भारतीयकाव्यशास्त्रे रीतिचिन्तम् 26
डॉ. शंकर नाथ तिवारी

सिकुड़ता पर्यावरण-सिमटता जीवन 33
डॉ. रूपेश कुमार चौहान

दलित साहित्य की अवधारणा और 'अपेक्षा' पत्रिका 37
विष्णु

हिन्दी सिनेमा में तृतीय लिंगी समुदाय की उपस्थिति का विश्लेषण 43
श्वेता

अर्थशास्त्र में शूद्र 49
रामचन्द्र

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की इतिहास-दृष्टि 53
डॉ. अर्चना द्विवेदी

समकालीन हिंदी कविता और स्त्री-अस्मिता 59
डॉ. अवधेश कुमार

भारतीय पुनर्जागरण : राष्ट्र निर्माण की नींव 64
रविंद्र कुमार

उस्ताद अमीर खाँ साहब का जीवन परिचय 68
डॉ. सुनीति दत्ता

डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन-वृत्तांत एवं तत्कालीन सामाजिक परिवेश 74
शशी बाला अर्चना

अम्बेडकर व नव बौद्ध धर्म 80
रूद्र प्रताप यादव

बुद्ध का आविर्भाव व तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियाँ 87
बादशाह अहमद

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका : अर्वाचीन राजनीतिक चिंतन के परिप्रेक्ष्य में 92
डॉ. शारदा वर्मा

'काली चाट' उपन्यास में चित्रित किसान जीवन का यथार्थ 95
प्रदीप कुमार

देव के काव्य में निरूपित नायिका-भेद का विवेचन 100
ज्योति पवार

हिंदी की स्त्री आत्मकथाओं में मुक्ति का स्वर 108
लक्ष्मी

बक्करवाल जनजाति का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन 115
प्रवीण

तुलसीदास के काव्य में अभिव्यक्त समन्वय चेतना 122
अभिनव

राजकमल चौधरी की कविता में समकालीन परिदृश्य 126
डॉ. अनिल कुमार

इक्कीसवीं सदी का स्त्री जीवन और 'रज्जो मिस्त्री' कहानी संग्रह 131
सदानन्द

आधुनिक भारतीय इतिहास में सामाजिक न्याय की स्थापना के रूप में डॉ. अम्बेडकर का योगदान 134
मुकेश पासवान

'आधे अधूरे' : अधूरेपन से अधूरेपन की यात्रा 138
डॉ. दीनदयाल

भारतीय राजनीति में जातीयता और आर्थिक विकास का अंतर्संघर्ष 144
डॉ. कमलेश रानी

लोकजीवन का कवि कबीर 148
डॉ. संगीता रानी

प्रमुख महिला कथाकारों के उपन्यासों में स्त्री-विमर्श का स्वरूप 154
डा. विश्वम्भर पाण्डेय

मानवजीवने पुराणानां महत्त्व् 161
डॉ. सरिता शर्मा

जैनेन्द्र के उपन्यासों में प्रेम और नैतिकता 168
डॉ. अजय प्रकाश

सम्पादकीय

वाक् सुधा के इस जुलाई-सितम्बर 2021 के अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए संतोष का अनुभव कर रहा हूँ। कोरोना की विभीषिका पर बहुत हद तक लगाम लगा है। जिसका श्रेय दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को जाता है। साथ ही समस्त देशवासियों द्वारा समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के पालन के कारण भी कोरोना की तीसरी लहर से देश सुरक्षित है। टीकाकरण अभियान में अब तक 100 करोड़ से अधिक टीका लगाया जा चुका है। वाक् सुधा के पिछले दो अंक में हमने भी सबसे आग्रह किया कि अपनी बारी आने पर टीकाकरण जरूर करवाएं। अपने देश में टीकाकरण को लेकर राजनीति भी खूब हुई। यहां राजनीतिक विमर्श से परहेज करते हुए सिर्फ एक दिन के टीकाकरण आंकड़ों की चर्चा करना चाहता हूं। 17 सितम्बर को डेढ़ करोड़ लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य सरकारी स्तर पर निर्धारित किया गया था। गौरतलब है कि यह दिन प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन है। उस दिन शाम 4.45 बजे तक कुल 2 करोड़ लोगों का टीका लगाया जा चुका था। उसी दिन रात के बारह बजे तक देश में ढाई करोड़ 10 हजार 390 लोगों का टीकाकरण करके भारत ने दुनिया को चौंका दिया। भारत के इस सामर्थ्य और असंभव को संभव करने की क्षमता को दोनों हाथ जोड़ कर प्रणाम करने की जरूरत है। एक बात और हर अंक की तरह इस अंक में हमने साल 2022 में बनने वाले संसद भवन की नई इमारत की तस्वीर को लगाया है। यह इमारत सेंट्रल विस्टा परियोजना का हिस्सा है। जिसमें प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति के आवास के साथ-साथ मंत्रालय के कार्यलयों का निर्माण किया जा रहा है।

इस परियोजना को लेकर भी भरपूर राजनीति हुई। यह मामला कोरोना काल में सुप्रीम कोर्ट तक भी गया। इस परियोजना को आगामी आवश्यकताओं और सुरक्षा चिंताओं को लेकर शुरू किया गया है। संसद भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से लैश बन रहा है जिसमें 888 लोकसभा सदस्यों और 384 राज्य सभा सदस्यों के बैठने के लिए जगह होगी। संसद भवन 65,400 स्क्वायर मीटर में बन रही है। भव्य कलाकृतियों से युक्त यह नई इमारत वास्तव में एक त्रिकोणा है। जिसकी ऊंचाई पुरानी संसद भवन जितनी ही होगी। इसके बनने के बाद निवर्तमान संसद भवन और नॉथ एवं साऊथ ब्लॉक को संग्रहालय बनाया जाएगा। साल 2022 में भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम और संसद सत्र नए संसद भवन में होंगे। सेंट्रल विस्टा परियोजना की घोषणा सितम्बर 2019, में की गई थी। 10 दिसम्बर 2020 को प्रधानमंत्री ने इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। यह पुनर्विकास योजना भी देश के लिए गौरव और दुनिया को चौंकाने वाली होगी। ऐसा होना भी चाहिए क्योंकि देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न शानदार होना भी चाहिए था। परन्तु इस अवसर पर हम सबको यह सोचना भी चाहिए कि यहां तक पहुंचने के कालखंड में हम क्या से क्या हो गए। यह भी हम सभी को सोचना होगा! अगले अंक में इस विषय पर शोधपत्र आमंत्रित हैं। इस अंक में प्रकाशित शोधपत्र को हमारी विशेषज्ञ समिति द्वारा समीक्षित किया गया है। आपके विद्वतापूर्ण शोधपत्र की प्रतीक्षा में।

-डॉ. राजेश कुमार
उपसंपादक